HIGH COURT OF JUDICATURE FOR RAJASTHAN
BENCH AT JAIPUR

S.B. Civil Writ Petition No. 15576/2025

Dhanesh S/o Late Bhikki & Ors.

----Petitioners

Versus

Mukut W/o Late Shri Devendar & Ors.

----Respondents

For Petitioner(s) : Mr. Prakhar Gupta
For Respondent(s) :

HON'BLE MR. JUSTICE MANEESH SHARMA

Order

06/11/2025

1. The present writ petition has been filed by the petitioners under Article 227 of the Constitution of India, assailing the impugned order dated 14.05.2025 passed by learned Civil Judge & Judicial Magistrate, Bharatpur in Civil Suit No.24/2024, whereby whereby the petitioners' application under Order 6 Rule 17 of the Code of Civil Procedure, 1908, has been dismissed.

2. Learned counsel for the petitioners submits that they have filed a suit seeking cancellation of the Will dated 26.07.2022; and it is submitted that, due to incorrect information initially furnished in Sub-para (b) of Paragraph 5 of the plaint, the following plea was raised:

> "(ब) यह है कि तथाकथित वसीयत १००/- रुपए के नौन ज्यूडिशिल स्टाम्प पर निष्पादित किया जाना बताया गया है स्टाम्प रजिस्टर क्रमांक 1308 दिनांक 25.07.2022 अनुज्ञा पत्र संख्या 46/2020-21 स्टाम्प विक्रेता संजय निमेष द्वारा प्रेमवती के हक में वसीयत हेतु दिया जाना अंकित किया गया हैं इस सम्बन्ध में जब वादीगण ने उपरोक्त क्रमांक की जांच करवायी व नकल निकलवायी तो यह स्पष्ट हो गया कि दिनांक 25.07.2022 को स्टाम्प रजिस्टर क्रमांक 1308 पर प्रेमवती को 100/- रूपया का नोन ज्यूडिशियल स्टाम्प जारी ही नहीं कि गया है और इस क्रमांक पर स्टाम्प नम्बर भी भिन्न है नकल रजिस्टर के अनुसार स्टाम्प विक्रेता संजय कुमार निमेष द्वारा दिनांक

> 25.07.2022 के क्रमांक संख्या 1308 पर 50/- रूपया का स्टाम्प किसी कैला पत्नि स्व. बंगाली निवासी भरतपुर के हक में जारी किया गया है इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रतिवादीगण द्वारा तथाकथित वसीयत फर्जकारी से तैयार की है।"

3. Learned counsel further submits that upon gaining knowledge of the correct facts, the petitioners filed an application seeking deletion of the earlier pleading in the plaint and sought substitution thereof with the amended paragraph 5(b), which reads as under:

> "यह कि प्रेमवती की तबियत अत्यधिक खराब थी और वह कचहरी में स्टाम्प लेने के लिए सक्षम नही थी तथा कचहरी परिसर आकर प्रेमवती ने कोई स्टाम्प 100/-रूपये का कचहरी परिसर में आकर नहीं लिया है प्रेमवती के नाम से फर्जी स्टाम्प गैर सायलान द्वारा लिया है और फर्जी वसीयत तैयार की है।"

4. He further submitted that the learned court below erred in rejecting the application on the ground that the petitioners were attempting to introduce a contrary plea not originally raised.

5. Heard.

6. In view of the submissions made hereinabove, issue notice to the respondents, returnable within a period of four weeks.

7. Notice be given '*dasti*' to the learned counsel for the petitioners.

8. List the matter after four weeks.

(MANEESH SHARMA),J

Seema/21